॥ श्रीः ॥

जिसको

श्री गुसाईं तुलसीदासजी ने ज्ञान, भक्ति, वैराग्य मिश्रित दोहों को रामभक्तानुरागियों के उपकारार्थ रचा

यन्त्रालय के श्रेष्ठ विद्वानों ने अतिपरिश्रम से शोधा

सुपरिंटेंडेंट बाबू मनोहरलाल भार्गव बी. ए., के प्रबन्ध से

सन् १९१३ ई० ॥